डबल सिरताज

Source: www.brahma-kumaris.com (Main Website) | www.bkgoogle.com (BK Google)

- **Double Sirtaaj (double crowned) – Hindi poem**

अपने मन से मिटाकर देह अभिमान की खोट
बाबा के रजिस्टर में अपना नाम कराओ नोट

देही अभिमानी बनने की दे दो बाबा को रिपोर्ट
स्वर्ग में जाने के लिए ले लो बाबा से पासपोर्ट

हमको मिला है वो जिसको पुकारे दुनिया सारी
रिगार्ड करेंगे बाबा का हम बनकर आज्ञाकारी

चाहे कहीं भी रहें बाबा सदा रहेगा साथ हमारे
उसकी श्रीमत पर सदा कदम आगे बढ़ेंगे हमारे

भूलकर देहभान शुरू करते हैं पुरुषार्थ ये आज
हम बनेंगे आने वाली दुनिया में डबल सिरताज
ॐ शांति।

by: BK Mukesh bhai - bkmukesh1973@gmail.com

For **More Poems**, visit – www.bkofficial.com/poems

OR scan this QR code with your phone camera ->